## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी
## सत्रांत परीक्षा- अेप्रिल - 2011

**अभ्यासक्रम** : स्नातक पदवी अभ्यासक्रम (B.A./B.Com.)

नोंधणी नंबर : _____

**पाठ्यक्रम** : हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम (FHD-01)

**तारीख** : 23/04/2011

**समय** : 04.30 to 06.00

**सूचना** : १. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए **कुल अंक : 35**

२. दाहिनी ओर प्रत्येक प्रश्न के अंक दर्शाये गये हैं ।

---

प्रश्न:-१ निम्न लिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों को सही रुप में लिखिए; (५)

कीताब, महेनत, नीर्भय, निरमल, गतीशील, लडाई, महेर

प्रश्न:-२ निम्न लिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग बताइए; (५)

विशेष, असंगत, विजातीय, असंतोष, विनाश, असत्य

प्रश्न:-३ निम्न लिखित मुहावरों में से किन्हीं पाँच का अर्थ स्पष्ट कर वाक्य में प्रयोग कीजिए; (५)

१) खटाई में पड़ना, २) फूले न समाना,

३) हाथ पाँव फूलना, ४) कान खड़े होंना,

५) मन में लड्डू फूटना, ६) नाच न आवे आंगन टेड़ा

७) कोयले की दलाली में हाथ काले, ८) मुँह की खाना,

प्रश्न:-४ निम्न लिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर लगभग १५० शब्दों में दीजिए ; (८)

१. दलित चेतना और हिन्दी साहित्य ।

२. भारत में सांस्कृतिक जागरण का उभार ।

३. राजनीति में युवाओं की भूमिका ।

४. साम्प्रदायिक दंगो की बिभीषिका ।

प्रश्न:-५ निम्न लिखित में से किसी एक का ५० शब्दों में भाव पल्लवन कीजिए; (४)

क) हिंसा बुरी चीज है, दासता उससे भी बुरी,

ख) हीरे लुट गये, कोयलों पर मुहर,

ग) नो दिन चले अढ़ाई कोश,

www.StudyGuideIndia.com

*प्रश्न:-६ निम्न लिखित गंद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए;* *(८)*

*"मानव कब दानव से भी दुर्दान्त, पशु से भी बर्बर और पत्थर से भी कठोर करुणा के लिए.. हृदयवाला हो जायगा, नहीं जाना जा सकता । अतीत सुखों के लिए साँच क्यों, अनागत भविष्य के लिए भय क्यों और वर्तमान को में अपने अनुकूल बना ही लूँगा, फिर चिंता किस बात की ।"*

*अथवा*

*निम्न लिखित पंद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए;*

*"तू दयाल दीन हैं , तू दानि हों भिखारी,*
*तू प्रसिद्ध पातकी तू पाप पुंज हारी,*
*ब्रह्म तू हौं जीवन, तू पापपुंज हारी*
*तात मात सखा गुरु, तू सब बिधि हितु मेरो"*

---

www.StudyGuideIndia.com